Run by:*MaaRewati Educational and Welfare Society*

MAA REWATI COLLEGE OF EDUCATION

(Recognised by:N.C.T.E. & Affiliated to R.D.V.V. Jabalpur)

Jantipur Road, BadiKhairi, Mandla (M.P.)-481661

Phone: 0764-2291912,Website: www.mrcedu.com

Email: mrcedu1@gmail.com

Metric 2.6.1

Continuous Internal Evaluation(CIE) of student learning is in place in the institution

LIST OF SUPPORTING DOCUMENTS

Internal Evaluation

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

MAA REWATI COLLEGE OF EDUCATION MANDLA

B.ED IST SEMESTER ASSIGNMENT QUESTION

Subject: - Language Across The Curriculum (CC3)

प्रश्न–1 कहानी का अर्थ समझाइए? कहानी के तत्व, प्रकर, एवं कहानी शिक्षण के अंग बताइए और हास्यास्पद आवरण रहित कहानियों का निर्माण क्यों आवश्यक है?

What do you understand by Story Teaching? Explain the factors, types and parts of story. Write about the short note of well-produced comic scripts stories?

प्रश्न–2 रचना शिक्षण से आप क्या समझते है, रचना शिक्षण के उद्देश्य, महत्व एवं रचना शिक्षण की विधियॉं लिखिए।

What do you understand by Composition Teaching? Write about the aims and importance of composition teaching and write the methods of composition teaching.

(Mr. Sudhir Yadav)

Subject: - Curriculum Development and School (CC4)

प्रश्न–1 अध्यापक शिक्षा क्या है? भारत में अध्यापक शिक्षा की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए?

What is the Teacher Education? Explain the importance of Teacher Education in India.

प्रश्न –2 कोठारी शिक्षा आयोग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के स्वरूप का वर्णन करते हुए इसकी समीक्षा प्रस्तुत कीजिए?

Explain the review of Kothari Education commission by describing its curriculum determination structures.

(Miss Nanda Limkar)

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

10 April Submission date 2021

B.Ed 4th Semester Assignment Questions

Paper: CC-1 GENDER, SCHOOL AND SOCIETY

लिंग का अर्थ तथा अवधारणा स्पष्ट कीजिए। विभिन्न सामाजिक समूहों, क्षेत्र, एवं समयावधि में लैंगिक अनुभवों की
या कीजिए।
plain the meaning and concept of gender. Explain Sexual Experiences with Different Social Group
a and time proud.

2 लैंगिक समानता को सुदृढ बनाने में विद्यालय, साथी, शिक्षक, पाठयपुस्तक एवं पाठयचर्या आदि की भूमिका की व्याख्या
जिए।

scribe the role of schools, peers, teachers, curriculum and text books in reinforcing gender parity.

Paper: CC-2 EDUCATIONAL TECHNOLOGY & ICT

.1 कम्प्यूटर की विशेषताएँ बताते हुये कम्प्यूटर का वर्गीकरण लिखिए।
By explaining the characteristics of computer, write the classification of computer.

.2 कम्प्यूटर में इनपुट डिवाइस और आउटपुट डिवाइस को समझाइये।

Explain the input device and output device in computer.

Paper:CC-3 CREATING AND INCLUSIVE EDUCATION

.1 विशिष्ट बालक किसे कहते है? इसके प्रकार लिखिये तथा श्रवण बाधिता को समझाइये।
What is the special children ? Write the types of special children and explain the hearing
mpairment.

.2 समावेशी शिक्षा क्या हैं? समावेशी शिक्षा में कक्षा अध्यापक एवं संसाधन अध्यापक की भूमिका तथा निर्देशन एवं परामर्श
को समझाइये।

What is the inclusive education? Explain the role of class teachers and resource teacher in
nclusive education. Explain the guidance and counseling in inclusive education.

Paper:CC-4 (E) ENVIRONMENT EDUCATION

.1 राष्टीय पर्यावरण जन चेतना अभियान (NEAC) को विस्तार से समझाइए।
Explain National Environment Awareness Campaign (NEAC).

.2 पर्यावरण प्रदूषण से आप क्या समझते है? वायु प्रदूषण के अर्थ तथा कारण को समझाइये।

What do you understand by Environmental pollution? Describe air pollution with meaning and
auses.

Submission Date 15/04/2024

B.Ed 2nd Sem. (Assignment Questions)

Learning and Teaching (CC-1)

अधिगम एवं शिक्षण

थॉर्नडाइक के अधिगम सिद्धांत का विस्तार से वर्णन कीजिए?

Explain the Throndike's Theory of learning in detail.

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए?

1. अधिगम अक्षमता के कारण।
2. वाइगोट्सकी का सिद्धान्त।

Write short notes on the following: (any two)

1. Reason learning Acromegaly
2. Principle of Vygostsky

Biology Science (PC-1)

1. शिक्षण प्रतिमानो की उपयोगिता के बारे में सक्षेप में व्याख्या कर, परिपृच्छा प्रतिमान के विभिन्न पदो को बाताते हुए जीवविज्ञान शिक्षण में इसका उपयोग बताइये?
   Describe in brief the utility of teaching Models and Explain the different steps of enquiry models and its utility in biology teaching.
2. राष्टीय शिक्षा परिषद की आवश्यकता एवं कार्य लिखिए? जीव–विज्ञान शिक्षण में पाठ्य सहगामी क्रियाओं के महत्व एवं प्रकार समझाइए?
   Write the need and functions of National Council for Teaching Education (NCTE) and Explain the Importance and types of Cocurricular activities in Biology teahing.

Maths (PC-1)

गणित का अर्थ, परिभाषा, आवश्यकता एवं गणित शिक्षण की दैनिक जीवन में उपयोगिता का वर्णन कीजिये?

Describe the meaning, definition, Important and utility of Mathematics Teaching in daily life. And write the objectives of Teaching Mathematics.

2. गणित शिक्षण में समस्या निवारण विधि की संक्षिप्त विवेचना कीजिये?
   Briefly discusribe the problem Solving method in teaching mathematics.

Student Assignment

प्रश्न 1. भाषायी कौशलों के प्रकारों का सचित्र वर्णन कीजिए तथा हिन्दी भाषा शिक्षण के सामान्य उद्देश्य लिखिए।

उत्तर - **भाषा कौशल का अर्थ -**

भाषा कौशल से तात्पर्य है भाषा के ठीक तरह से काम करने की योग्यता या सामर्थ्य हासिल करना। अर्थात अध्येता भाषा के चारों कौशलों सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना में पूर्ण रूप से दक्षता हासिल कर सके। अध्येता के भाषा सीखने पर यदि उसका भाषा के उपरोक्त चारों कौशल पर पूर्णता अधिकार न हो तब भाषा कौशल अधूरा रह जाता है। अध्यापक को चाहिए कि वह अध्येता को भाषा शिक्षण के दौरान भाषा के चारों कौशलों का समान रूप से विकास करवायें।

व्यक्ति की संप्रेषण की सक्षमता भाषा कौशलों की दक्षता पर निर्भर होती है। भाषा की प्रभावशीलता का मानदण्ड बोधगम्यता होती है। जिन भावों एवं विचारों को अभिव्यक्त करना चाहते है उन्हें कितनी सक्षमता से बोधगम्य होती है, यह भाषा कौशलों के उपयोग पर निर्भर होता है।

भाषा शिक्षण को दो भागों में बांटा गया

1 प्रधान कौशल
2 गौण कौशल

प्रधान कौशल

भाषा का सर्वप्रथम कार्य है- संप्रेषण करना। यह संप्रेषण भाषा के बिना अधूरा है। संप्रेषण के लिए हमें भाषा के उच्चारित रूप की ही आवश्यकता होती है भाषा का उच्चारित रूप वह रूप है जिसे एक निरीक्षण व्यक्ति भी उपयोग करता है। इसलिए इससे संबंधित कौशल ही प्रधान कौशल कहलाते है। इसलिए इससे संबंधित दो कौशल है -

1 सुनना / श्रवण कौशल
2 बोलना / ~~भाषण~~ भाषण कौशल

गौण कौशल

बालक अपनी प्रारंभिक भाषा परिवार और समाज से सीखता है परिवार और समाज ही भाषा सीखने का उसका प्रथम स्कूल होता है। उसके बाद वह विद्यालय जाकर पढ़ना - लिखना सीखता है। इस प्रकार के भाषा शिक्षण को गौण कौशल के अन्तर्गत परिभाषित किया गया है - इसके 2 रूप है

- पठन कौशल (वाचन)
- लेखन कौशल -

श्रवण कौशल

श्रवण कौशल का आशय सही ढंग से सुनने की क्षमता है। 'श्रवण' शब्द श्रु धातु से बना है जिसका शाब्दिक अर्थ है सुनने की क्रिया, ध्यान पूर्वक सुनना, अध्ययन करना, अधिगम/ सीखना करना आदि। कौशल का अर्थ है ठीक तरह से काम करने की योग्यता, दक्षता या समर्थता।

बालक ध्वनियों को सुनते हैं सुनकर अनुकरण करते हैं। श्रवण कौशल का विकास धीरे-धीरे होता है। श्रवण कौशल के विकास के लिए बच्चों में प्रारंभ से ही सभी ध्वनियों को सुनकर उनमें विभेद करने का सामर्थ्य विकसित किया जाना चाहिए। उनके समक्ष शिक्षक को आदर्श ध्वनियों का उच्चारण करना चाहिए। छात्रों में श्रोता के शिष्टाचार का पालन करने की आदत डालनी चाहिए। साथ ही छात्र द्वारा निर्देशों को सुनकर उनका पालन कर सकते हैं कि योग्यता विकसित करना आवश्यक है। कहानियों, कविताओं, चुटकुले, वर्णन-वार्ताओं आदि सुनकर ज्ञान वृद्धि करने तथा मनोरंजन कर सकने की क्षमता का विकास श्रवण से ही सम्भव होगा। छात्रों में वक्ता के स्वर, कथन, प्रश्न, आश्चर्य आदि भावों पहचान सकने की क्षमता भी विकसित हो चाहिए। तभी उसका श्रवण कौशल विकसित हो सकेगा। श्रवण कौशल के विकास एवं परिपक्व की दृष्टि से व्यतिरेकी ध्वनियों को छात्रों द्वारा पहचानना नितान्त आवश्यक है।

श्रवण कौशल के उद्देश्य –

1. छात्रों में श्रवण के प्रति रुचि उत्पन्न करना जिससे वे दूसरों की बातों को ध्यान पूर्वक सुन सकें।

2. छात्रों में सुनकर अर्थ ग्रहण करने की क्षमता विकसित करना।

3. दूसरों के द्वारा उच्चारित शब्दों को सुनकर शुद्ध उच्चारण करने के योग्य बनना।

4. श्रुत सामग्री के महत्वपूर्ण अंशों को पहचानने की योग्यता विकसित करना।

5. वक्ता के मनोभावों को समझने योग्य बनाना।

भाषण कौशल :–

भाषा कौशल – भाषा संप्रेषण का प्रभावशाली एवं सर्व समर्थन साधन है। दूसरों के विचारों मनोभावों एवं अभिव्यक्तियों को सुनने के साथ ही साथ अपने विचारों तथा भावों को वाणी के माध्यम से अभिव्यक्त करना की प्रवृत्ति मानव का सहज स्वाभाव है। अन्य भाषा – शिक्षण में इस कुशलता का विकास भाषण कौशल का मूल आधार है। मौखिक अभिव्यक्ति की कुशलता प्राप्त कर लेने पर न केवल भावों और विचारों का प्रकटीकरण सहज संभव हो जाता है बल्कि भाषायी कुशलता में भी वृद्धि होती है। भाषण – वाचन तथा लेखन कौशल के विकास

विशेष रूप से सहायक सिद्ध होता है। मौखिक अभिव्यक्ति के क्रम में सीखा गया उच्चारण तथा विभिन्न सहायक तत्व यथा - शब्द, अर्थ और भाषायी संरचना शिक्षण की पृष्ठ भूमि तैयार करते हैं।

भाषण कौशल का महत्व और अर्थ - भाषण कौशल का अर्थ है अध्येता में इस प्रकार की योग्यता उत्पन्न करना कि वह अपने भावों विचारों को स्पष्ट एवं प्रभावी रूप से अभिव्यक्त कर सके जिससे दूसरे लोग सुनकर समझ सकें और अभिप्रेत अर्थ ग्रहण कर सकें। विचारों तथा भावों का संप्रेषण एक वैयक्तिक और सामाजिक आवश्यकता है। मातृभाषा में बालक भाषाई परिवेश में सहज रूप से ध्वनियों को सुनने और बोलने की आदत विकसित कर लेता है तथा इसके माध्यम से वह अपने भावों को अभिव्यक्त करना सीखता है। मातृभाषा की मूलभूत आदतों के साथ ही साथ भाषा में अन्य विचारों की मौखिक अभिव्यक्ति की आदतें सुधारनी पड़ती हैं। सतत प्रयास एवं अभ्यास के पश्चात ही यह नहीं कहा जा सकता कि अध्येता को पूर्ण सफलता प्राप्त हो गयी है भाषण सिखाने का उद्देश्य है विचारों की अभिव्यक्ति करने वाले वक्ता और विचारों को ग्रहण करने वाले श्रोता के बीच ऐसी स्थिति निर्मित करना जिससे अभिव्यक्त विचारों को यथा तथ्य रूप में ग्रहण किया जा सके।

पठन / वाचन कौशल :-

वाचन शब्द का अर्थ है - "भाषा को उसके लिखित रूप के आधार पर ग्रहण करना।" बोलते समय व्यक्ति अपने मन के भावों - विचारों को विभिन्न प्रसंगो, परिस्थितियों, में आवश्यक प्रवाह, प्रभाव तथा अनुतान के साथ व्यक्त करता है जबकि वाचन के समय वह दूसरे व्यक्ति के भावों विचारों को विशेष निर्मित परिस्थिति, प्रसंग के अनुरूप आवश्यक प्रवाह प्रभाव और अनुतान के साथ या तो स्वयं ग्रहण करता है अथवा दूसरों को उन्हें ग्रहण करने के लिए सुगम बनाने की चेष्टा करता है।

लिपी - संकेतो या वर्णों का उनसे संबंद्ध ध्वनियों के साथ सामंजस्य स्थापित करने की प्रक्रिया को वाचन कहा जाता है, किन्तु वाचन के मूल अर्थ में सामंजस्य / ग्रहण की आवश्यकता होती है। केवल वर्णों या शब्दों अथवा पदबन्धों को बिना अर्थ समझते हुए पृथक - पृथक वाचन करना अथवा उनका पृथक - पृथक अर्थ ग्रहण करके हुए वाचन करना अध्ययन - अध्यापन की दृष्टि से 'वाचन' नहीं कहा जाता। वाचन को एक सामान्य कौशल समझना इसके विस्तृत क्षेत्र की जानकारी से अपरिचित होना है। वास्तव में यह विविध प्रकार की कुशलता का एक समन्वित कौशल है। भाषाध्ययन की दृष्टि से वाचन का क्षेत्र पर्याप्त विस्तृत है।

लेखन कौशल :-

श्रीमति माण्टेसरी के अनुसार, बालकों को पहले लिखना सिखाया जाना चाहिए। लेखन एक शारीरिक क्रिया है जिसमें बालकों के हाथों की गतिविधियाँ करनी पड़ती हैं। लेखन कौशल का विकास वाचन की अपेक्षा कठिन है। पढ़ने के लिए केवल अक्षर की पहचान ही पर्याप्त है, परन्तु लेखन के लिए उंगलियों को यथोचित घुमाने का अभ्यास भी चाहिए। लेखन कौशल का अर्थ है भाषा विशेष में स्वीकृत लिपि - प्रतीकों के माध्यम से विचारों तथा भावों को अंकित करने की कुशलता। अधिकांशत: सभी भावों की अपनी लिपी व्यवस्था होती है। इन लिपी प्रतीकों को वे ही समझ सकते हैं जिन्हें उस भाषा लिपि व्यवस्था का ज्ञान हो। इससे आशय यह है कि लेखक द्वारा लिपि बद्ध विचारों तथा भावों को वे ही पढ़ और समझ सकते हैं जिन्हें उस भाषा तथा लिपि व्यवस्था का अच्छा ज्ञान हो। लेखन को भाषा का गौण कौशल एवं विचारों की आंशिक अभिव्यक्ति माना जाता है। भाषा का उच्चारित रूप ही वस्तुत: पूर्ण माना जाता है। प्रत्येक भाषा की लेखन व्यवस्था अलग होती है, यही कारण है कि दो भाषाओं में समान लिपि प्रतीकों का प्रयोग होने पर भी उनका मूल्य दोनों भाषाओं में अलग - अलग होता है।

हिन्दी भाषा शिक्षण के उद्देश्य

1 बच्चों को शुद्ध बोलने तथा लिखने का ज्ञान देना।

2 सरल एवं प्रभाव पूर्ण तथा स्पष्ट भाषा में अपने भाव और अनुभूतियों एवं विचारों को व्यक्त करना।

3. दूसरों की लिखी हुई भाषा एवं बोली हुई भाषा को समझने की योग्यता उत्पन्न करना।

4 भाषा को हाव-भाव के साथ एवं आरोह-अवरोह के साथ वचन करने की कला का ज्ञान होना।

5. विद्यार्थी के ज्ञान विवेक एवं चरित्र का विकास करना।

6 पठन-पाठन के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

7 छात्रों को सत साहित्य की रचना के योग्य बनाना तथा मानव जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का अध्ययन कराकर उन्हें भावी जीवन के लिए तैयार करना।

8 छात्रों को लोकोक्तियां एवं मुहावरे का ज्ञान देना।

9 छात्रों के क्रमबद्ध विचार करने, भाव को अभिव्यक्त करने तथा ज्ञानार्जन के प्रति गहरी रुचि उत्पन्न करने का प्रयास करना।

10 पुस्तक को निहित ज्ञान भण्डार का अवलोकन कर स्वाध्याय के प्रति गहरी रुचि उत्पन्न करना।

11 साहित्य का लक्ष्य उत्तम नागरिक उत्पन्न करना भी है इसलिए हिन्दी शिक्षण का उद्देश्य नागरिकता के उत्तम से उत्तम गुणों का विकास भी है।

विद्यालय स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण के उद्देश्य :-

विद्यालय स्तर पर हिन्दी भाषा के उद्देश्य को तीन- भागों में बाँटा गया है-

1. प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण (1-5)।
2. माध्यमिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य।
3. उच्च माध्यमिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य।

1 प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण के उद्देश्य -

प्राथमिक स्तर से ही बच्चों को मातृभाषा की औपचारिक शिक्षा आरंभ होती है, अतः प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण के निम्न उद्देश्य है :-

1. बच्चों को शुद्ध उच्चारण ध्वनि निगमन धैर्य तथा आत्मविश्वास एव प्रवाह उत्साह के साथ बोलने के कौशल का विकास करना।

2. बच्चों को वर्ण, लिपि, शब्द, समूह एवं वाक्य रचना का ज्ञान कराना।

3 बच्चों में पूर्ण मनोयोग से सुनने एवं सुनकर और समझने का कौशल विकसित करना।

4 बच्चों को शब्दावली, सूक्तियाँ, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे का ज्ञान कराना।

5. बच्चों में सुन्दर, शुद्ध लेख, शुद्ध वर्तनी एवं व्याकरण संबंधी वाक्य रचना के कौशल का विकास करना।

II माध्यमिक स्तर पर -

कक्षा 6-8 तक की शिक्षा को उच्च प्राथमिक शिक्षा कहा जाता है प्राथमिक स्तर के बच्चों को भाषा के व्याकरण का ज्ञान कराना चाहिए तथा इसके साथ ही साहित्य से भी परिचित कराना चाहिए अतः इस स्तर पर भाषा शिक्षण के निम्न उद्देश्य हैं -

1 छात्रों को हिन्दी की पाठ्य पुस्तकों के माध्यम से मानव उपयोगी ज्ञान कराना।

2 छात्रों को शब्दों के शुद्ध उच्चारण, शुद्ध वर्तनी, वाक्य रचना के माध्यम से विराम चिन्हों का प्रयोग स्पष्ट कराना।

3 छात्रों में सुन्दर लेखन एवं व्याकरण सम्मत पूर्ण वाक्य रचना के कौशल का विकास करना।

Internal exam B.A B.Ed

B.A.B.E.D II SEMESTER INTERNAL EXAMINATION- 2022

Elective III-POLITICAL SCIENCE

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks: 60

खण्ड ''अ'' Section"A"

वस्तुनिष्ठ प्रश्न **Objective Type Question** 5x1=5

नोट– सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का है।

Note - Attempt All Questions. Each Question is of 01 Marks.

01- कॉलम अ से कॉलम ब का मिलान कीजिए।

'अ'	'ब'
1- राज्य सभा का अध्यक्ष 2- राष्ट्रपति का कार्यकाल 3- व्यस्क मताधिकार 4- प्रधानमंत्री की नियुक्ति 5- लोकमत	1. 18 वर्ष 2. राष्ट्रपति द्वारा 3. 5 वर्ष 4. उपराष्ट्रपति 5. सामूहिक मत

Match the items of List "A"to List "B"

A	B
1. Chairperson of rajsabha 2. Tenure of President 3. Adult voting right 4. Appointment of Prime minister 5. Public Opinion	1. 18 years 2. By President 3. 5 years 4. vice president 5. Group opinion

खण्ड ''ब''

Section"B"

लघुउत्तरीय प्रश्न

Short Answer Type Question 5x3=15

नोट–किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए प्रत्येक प्रश्न 3अंक का है। शब्द सीमा100–150

Note – Answer any five question. Each question Connie's 3 mark word limit 100-150 words.

2. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत का अर्थ तथा सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए?
Explain the meaning of directive Principle of state policy.

Int. Test

(1)

MAA REWATI COLLEGE OF EDUCATION, MANDLA

B.A.B.E.D II SEMESTER INTERNAL EXAMINATION- AUGUST 2022

ELECTIVE I: SANSKRIT

Time Allowed: Three Hours | Maximum Marks: 60

ोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

ल सन्धि किसे कहते हैं? इसके प्रकारों को उदाहरण सहित समझाइए।

वि अश्वघोष द्वारा रचित 'बुद्ध चरितम्' महाकाव्य के बारे में बताते हुए बुद्ध के चरित्र पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

उपमा कालिदासस्य भारवेरर्थ गौरवम्" को स्पष्ट कीजिए।

श्रीहर्ष अथवा जयदेव के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

बाणभट्ट के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए एवं इनकी रचनाओं के बारे में संक्षेप में बताइए।

MAA REWATI COLLEGE OF EDUCATION, MANDLA

B.A.B.E.D II SEMESTER INTERNAL EXAMINATION- AUGUST 2022

FC-3 Foundation Course - LANGUAGE ENGLISH

e Allowed: One and Half Hours | Maximum Marks: 40

Note: Attempt all the question

Give the answer of following question in about 30-50 words. Any Five (2*5=10)

) Why does the poet consider it needless to ask the caste of a saint?

) What was the regulation for prisoners in jail?

i) Write the three phases of the author's relationship with his grandmother?

) What does the poet say about the solitary reaper?

How does Sir "C.V. Raman" state that water is the real elixir of life?

Why was Kasturba rudely shocked?

- Write a paragraph on given topic in about 100-125 words. Any One (1*4=4)

i) Growing of trees

ii) Importance of English.

iii) Health is wealth.

Read the following passage carefully and answer the questions given w.

Passage-1

s are big high walls that are built across rivers to keep back some of the water. ater that is kept back is taken through canals and supplied to farmers living tant villages. The farmers in those villages do not have to depend on the rains an get water for their fields whenever it is needed- more land is cultivated nore crops are grown and there is more food in country.

Therefore dams were built across several of vers in old days. The Grand Anicut in Tanjore district is one of the oldest in the country. The kannnambadi Dam in Mysore is one of the newer dams very well. Known But there was only a few dams like there and we needed more. So one of the first things that the government did under the five year was to build more dams.

Principal

Maa Rewati College of Education

Mandla (M.P.)